29 को गीडा के स्थापना दिवस समारोह में सीएम योगी के समक्ष होगा एमओयू, हरित ऊर्जा, दवा निर्माण आदि परियोजनाओं में होगा निवेश

पांच कंपनियां करेंगी 17650 करोड़ का निवेश

तैयारी

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) में देश की पांच प्रमुख कंपनियां 17650 करोड़ रुपये का निवेश करेंगी। 29 नवंबर को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में इन प्रस्तावित निवेश परियोजनाओं के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। यह निवेश मुख्य रूप से हरित ऊर्जा (ग्रीन अमोनिया), दवा निर्माण (फार्मास्युटिकल्स), धातु प्रसंस्करण, आसवनी (डिस्टिलरी) और मत्स्य आहार (फिश फीड) उत्पादन जैसे रोजगारपरक क्षेत्रों में किया जाएगा।

गीडा के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विशाल कुमार ने बताया कि स्थापना दिवस समारोह में 17650 करोड़ रुपये के निवेश के लिए पांच नए एमओयू पर हस्ताक्षर होने के साथ ही गीडा विकास के एक नए युग में प्रवेश करेगा। प्रस्तावित निवेश में एवमे की तरफ से ग्रीन अमोनिया के क्षेत्र में होने वाला 16000 करोड़ रुपये का बड़ा निवेश जहां पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छ ईंधन के लक्ष्यों को पूरा करने में सहायक होगा। वहीं 500-500 करोड़ रुपये के निवेश वाली दवा निर्माण, धातु प्रसंस्करण की इकाइयां क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादन को बढ़ावा देंगी। कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सीधे तौर पर लाभ पहुंचाने के लिए 500 करोड़ रुपये की आसवनी इकाई और 150 करोड़ रुपये की मत्स्य आहार की परियोजनाएं भी इस निवेश का अहम हिस्सा हैं।



गीडा के स्थापना दिवस कार्यक्रम को लेकर तैयार किया जा रहा पंडाल। • हिन्दुस्तान

स्थापना दिवस की तैयारियां जोरों पर

जैतपुर। गीडा के 37वें स्थापना दिवस समारोह को भव्य और ऐतिहासिक बनाने के लिए तैयारियां जोरों पर हैं। 29 नवंबर से शुरू होने वाले कार्यक्रम स्थल पर निर्माण और सजावट का काम अंतिम चरण में है। गीडा कार्यालय के बगल में होने वाले कार्यक्रम के लिए तीन जर्मन हैंगर पांडाल लगाए गए हैं। एक पांडाल में मुख्य मंच बनाया जा रहा है, जबकि अन्य पांडालों में उद्योगों के स्टाल लगाए जाएंगे। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर कार्यक्रम स्थल पर शेफ हाउस और कॉटेज भी तैयार कर लिया गया है।

बेहतर सुविधाओं से खुला निवेश का रास्ता

गीडा के सीईओ विशाल कुमार के अनुसार पिछले कुछ वर्षों में यहां पेप्सिको, केयान डिस्टिलरीज, ज्ञान डेयरी और तत्वा प्लास्टिक्स जैसी कई कंपनियों ने प्लांट स्थापित कर उत्पादन शुरू कर दिया है। कोका कोला की यूनिट लग रही है। प्लास्टिक पार्क और फ्लैटेड फैक्ट्री कॉम्प्लेक्स जैसी महत्वाकांक्षी परियोजनाएं भी आकार ले चुकी हैं। गोरखपुर क्षेत्र में सुदृढ़ हुई कनेक्टिविटी ने गीडा के आकर्षण को कई गुना बढ़ा दिया है। फोरलेन और सिक्सलेन सड़कों का नेटवर्क, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से जुड़ाव, गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे के निर्माण ने कच्चे माल की ढुलाई और तैयार उत्पादों को देश-विदेश के बाजारों तक पहुंचाने की राह बेहद आसान कर दी है।

फ्लैटेड फैक्ट्री में 80 यूनिटों और 72 भूखंडों पर लगेंगे कारखाने

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। गीडा में प्लग एंड प्ले आधारित फ्लैटेड फैक्ट्री के 80 यूनिटों के आवंटन का रास्ता साफ हो गया है। 80 यूनिट का आवंटन 90 साल के लिए लीज पर होगा। एक यूनिट के लिए उद्यमियों को करीब 30 लाख रुपये खर्च करने होंगे। इसके साथ ही गीडा छोटे-बड़े निवेश के लिए 72 भूखंड का आवंटन भी करेगा। इसके साथ ही गीडा प्रशासन गारमेंट पार्क में 43 समेत कुल 72 भूखंड का आवंटन करेगा। इन भूखंडों का आवंटन 15 दिसम्बर तक प्रस्तावित है।

गीडा प्रशासन ने फ्लैटेड फैक्ट्री के 80 यूनिटों के आवंटन को लेकर विज्ञापन निकाला है। 97.51 वर्ग मीटर एरिया वाले यूनिट के आवंटन के लिए 2,98,850 रुपये जमाकर पंजीकरण किया जा सकता है। इसके साथ ही यूटिलिटी स्पेस का भी आवंटन किया जाएगा। ग्राउंड फ्लोर के 12 यूनिट के लिए 3.35 लाख रुपये पंजीकरण राशि जमा करना होगा। वहीं जी प्लस वन फ्लोर के 20 यूनिट के लिए 3.32 लाख रुपये पंजीकरण राशि के लिए जमा करने होंगे। सेक्टर 13, 15, 27 और 28 में 1000 से लेकर 20 हजार वर्ग मीटर से अधिक एरिया वाले औद्योगिक भूखंड का विज्ञापन निकाला गया है। गीडा एसीईओ राम प्रकाश ने बताया कि भूखंडों के लिए आवेदन 8 दिसम्बर तक किया जा सकता है।

> फ्लैटेड फैक्ट्री के आवंटियों को भवन मानचित्र और पूर्णता प्रमाण पत्र की औपचारिकता पूरी नहीं करनी होगी। प्लग एंड प्ले आधारित योजना में कम समय में उत्पादन शुरू किया जाएगा। इसके साथ ही छोटे से लेकर 20 हजार वर्ग मीटर के अधिक के औद्योगिक भूखंड निवेशकों को मुहैया कराया जा रहा है।
> **-विशाल कुमार, सीईओ, गीडा**